

17³/₂₀

पमावणी केसा आवाक लमाए गरी कोर
उपस्थित मरीं की कफ - रूक कर मावाक
जाए। अदातल लमम एक इन्तगत किया
कोर उपर नहीं।

अतः सेवा अदम लानी अदम
पैवी म लवाग किया पाता है।
पमावणी कोलक शुका लका बाद
लामीर लकमीर दतो रमला ली।

